Regarding non-availability of fertilizers to farmers in Banda Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh-Laid

श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल **(**बांदा**) :** मेरा संसदीय क्षेत्र बांदा (उत्तर प्रदेश) पूर्णतया कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाला क्षेत्र है । जहां आज भी 80 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है । बढ़ते रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से जहां मृदा स्वास्थ्य खराब हो रहा है वंही पर्यावरण पर भी इसका प्रतिकूल असर हो रहा है । मैं सरकार से यह जानना चाहती हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र एवं बुन्देलखण्ड की खेती में उर्वरकों पर निर्भरता कम करने हेतु क्या प्रयास किये जा रहे है?

प्राय: मैने अपने क्षेत्र भ्रमण मे पाया है कि किसानों को समय से आवश्यक उर्वरक सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध नही हो पाता है और कई बार इसका उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलता है । इस विषय पर क्या विशेषकर बुन्देलखण्ड क्षेत्र हेतु सरकार का कोई प्रयास है?

रासायनिक उर्वरकों के विषय में आज बाजार में अनेकों उत्पादक कंपनियां ऐसी हैं जो व्यवसाय में अत्यधिक लाभ के चलते गुणवत्ता मानकों के साथ खिलवाड़ कर रही हैं एवं किसानों को आर्थिक रूप से कमजोर बनाती जा रही है । इस दिशा में सरकार कोई ठोस कदम उठाने की कृपा करें जिससे किसानों को लाभ एवं फसल में गुणवत्ता मिल सके ।